

संकल्पना-

सारांश

विषयवस्तु

चित्रात्मकता

प्रश्न अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में) दीजिए -

प्रश्न 1 - वज़ीर अली के अफ़साने सुन कर कर्नल को रॉबिनहूड की याद क्यों आ जाती थी ?

उत्तर - कर्नल को वज़ीर अली की कहानियाँ सुन कर रॉबिनहूड के कारनामे याद आ जाती थी। रॉबिनहूड की ही तरह वज़ीर अली के मन में भी अंग्रेजों के खिलाफ बहुत अधिक नफरत भरी पड़ी थी। वज़ीर अली भी रॉबिनहूड की ही तरह बहादुर था और अंग्रेजों को अपने देश से निकलना चाहता था।

प्रश्न 2 - सआदत अली कौन था ? उसने वज़ीर अली की पैदाइश को अपनी मौत क्यों समझा ?

उत्तर - सआदत अली, वज़ीर अली का चाचा और आसिफ़उद्दौला का भाई था। वज़ीर अली के पैदा होने को सआदत अली ने अपनी मौत ही समझ लिया था क्योंकि वज़ीर अली के पैदा होने के बाद अब वह अवध के सिंहासन को हासिल नहीं कर सकता था।

प्रश्न 3 - सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का क्या मकसद था ?

उत्तर - सआदत अली अंग्रेजों का दोस्त था और भोग-विलास में रहना पसंद करता था। इसी कारण उसने अपनी आधी जायदाद और दौलत अंग्रेजों को दे दी और साथ ही दस लाख रुपये नगद भी दिए ताकि अंग्रेज उसको सिंहासन पर बना रहने दें। इस तरह अंग्रेजों का उसे तख्त पर बिठाने में लाभ-ही-लाभ था।

प्रश्न 4 - कंपनी के वकील का क़त्ल करने के बाद वज़ीर अली ने अपनी हिफ़ाजत कैसे की ?
उत्तर - वज़ीर अली वकील की हत्या करने के बाद भाग गया था। वह अपने साथियों के साथ आजमगढ़ की तरफ़ भाग गया। आजमगढ़ के शासकों ने उन सभी को अपनी सुरक्षा देते हुए घागरा तक पहुँचा दिया। तब से वह वहाँ के जंगलों में ही रहने लगा।

प्रश्न 5 - सवार के जाने के बाद कर्नल क्यों हक्का-बक्का रह गया ?

उत्तर - वज़ीर अली बहुत ही चतुराई और बहादुरी से कर्नल के तम्बू में सवार बन कर गया था और कर्नल को बेवकूफ बना कर दस कारतूस भी ले लिए थे। जाने के समय तक कर्नल को यह जानकारी नहीं थी कि वह सवार असल में कौन है। जब जाते हुए सवार ने अपना नाम वज़ीर अली बताया तो कर्नल उसकी बहादुरी को देख कर हक्का-बक्का रह गया।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए -

प्रश्न 1 - लेफ़्टिनेंट को ऐसा क्यों लगा कि कंपनी के खिलाफ़ सारे हिन्दुस्तान में एक लहार दौड़ गई है ?

उत्तर - जब लेफ़्टिनेंट ने कहा कि कहीं से खबर है कि वज़ीर अली अफ़ग़ानिस्तान के बादशाह शाहे-ज़मा को हिन्दुस्तान पर हमला करने के लिए आमंत्रित कर रहा है। तो कर्नल ने कहा कि सबसे पहले अफ़ग़ानिस्तान को हिन्दुस्तान पर हमला करने के लिए टीपू सुल्तान ने आमंत्रित किया था और उसके बाद वज़ीर अली ने और फिर शमसुद्दौला ने भी अफ़ग़ानिस्तान को हिन्दुस्तान पर हमला करने के लिए आमंत्रण दिया। ये सब जान कर लेफ़्टिनेंट को लगा कि कंपनी के खिलाफ़ सारे हिन्दुस्तान में एक लहार दौड़ गई है।

प्रश्न 2 - वज़ीर अली ने कंपनी के वकील का क़त्ल क्यों किया ?

उत्तर - वज़ीर अली को उसके नवाब के पद से हटाने के बाद अंग्रेज़ों ने वज़ीर अली को बनारस भेज दिया था, कुछ महीनों के बाद गवर्नर जनरल वज़ीर अली को कलकत्ता (कोलकता) बुलाने लगा। वज़ीर अली कंपनी के वकील से शिकायत की कि गवर्नर जनरल उसे कलकत्ता बुला रहा है। वकील ने वज़ीर अली की शिकायत पर कोई गौर नहीं किया और उल्टा वज़ीर अली को ही बुरा-भला कहने लगा। वज़ीर अली के दिल में तो पहले से ही अंग्रेज़ों के खिलाफ नफ़रत कूट-कूटकर भरी हुई थी और वकील के इस तरह के व्यवहार ने वज़ीर अली को गुस्सा दिला दिया और उसने चाकू से वहीं वकील का क़त्ल कर दिया।

प्रश्न 3 -सवार ने कर्नल से कारतूस कैसे हासिल किया ?

उत्तर - वज़ीर अली सवार बन कर अकेले ही अंग्रेजों के तम्बू में गया और कर्नल को ऐसे दिखाया जैसे यह भी वज़ीर अली के खिलाफ है। उसने कर्नल को कहा की उसे वज़ीर अली को गिरफ़्तार करने के लिए कुछ कारतूस चाहिए। कर्नल को लगा की वह भी वज़ीर अली को पकड़ना चाहता है इसलिए कर्नल ने सवार को दस कारतूस दे दिए। इस तरह सवार ने कर्नल से कारतूस हासिल किए।

प्रश्न 4 - वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था, कैसे ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - वज़ीर अली को अंग्रेजों ने उनके नवाब पद से हटा दिया था और बनारस भेज दिया था। वज़ीर के लिए जो रकम दी गई थी उसमें अड़चन डालने के लिए उसे कलकत्ता बुलाया जा रहा था, जब इसकी शिकायत वकील से करने गया तो वकील उल्टा उसी को बुरा-भला कहने लगा। वकील के ऐसे व्यवहार पर उसे गुस्सा आया और उसने वकील की हत्या कर दी। महीनों अंग्रेजों को जंगलों में दौड़ाता रहा परन्तु फिर भी उनके हाथ नहीं आया। अकेले ही अंग्रेजों के तंबू में कर्नल से मिलने चला गया और उससे दस कारतूस भी ले आया और जाते-जाते अपना सही नाम भी बता दिया। इतने जोखिम भरे कारनामों से सिद्ध होता है कि वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था।

(ग) निम्नलिखित के आशय स्पष्ट कीजिए -

(i) मुठ्ठी भर आदमी मगर ये दमखम।

उत्तर - कर्नल अपनी पूरी फ़ौज को ले कर वज़ीर अली का पीछा कर रहे हैं और वज़ीर अली उनको सालों से धोखा दे रहा है और इन्हीं जंगलों में कहीं भटक रहा है परन्तु उसकी पकड़ में नहीं आ रहा है। वज़ीर अली के साथ कुछ अपनी जान को जोखिम में डालने वाले लोग हैं और ये इतने थोड़े से आदमी हैं परन्तु इनकी शक्ति और दृढ़ता की कोई सीमा नहीं है।

(ii) गर्द तो ऐसी उड़ रही है जैसे की पूरा एक काफ़िला चला आ रहा हो मगर मुझे तो एक ही सवार नज़र आता है।

उत्तर - जब सिपाही ने कर्नल को कहा कि दूर से धूल उड़ती हुई दिखाई दे रही है। तो कर्नल ने तुरंत सिपाही से कहा कि वह दूसरे सिपाहियों से तैयार रहने के लिए कहे। लेफ्टिनेंट खिड़की से बाहर देखने में व्यस्त था और कहने लगा धूल तो ऐसी उड़ रही है जैसे कि एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में जाने वाले यात्रियों का समूह आ रहा हो। परन्तु दिखाई तो एक ही घुड़सवार दे रहा है।

कर्नल भी खड़की के पास गया और देख कर बोला हाँ एक ही घुड़सवार लग रहा है जो तेज़ी से घोड़े को दौड़ा कर चला आ रहा है।